New Coverage

1st April 2019 to 31st March 2020

14 नईदुनिया
दमोह

आधुनिक तरीकों का इस्तेमाल कर अच्छी फसल लेकर बन रहे आत्मनिर्भर

www.naidunia.com

भूमि और जल संरक्षण के लिए किया जा रहा जागरूक

तेंदूखेड़ा। इस तरह से बनाया गया पुल। ● नईदुनिया

तेंदूखेड़ा। नईदुनिया न्यूज

मानव जीवन विकास समिति कटनी भारत रुरल लाइवली हुड फाउंडेशन के सहयोग से ब्लॉक तेंदूखेड़ा में ग्रामीणों को भूमि और जल संरक्षण के लिए जागरूक किया जा रहा है। वन भूमि प्राप्त आदिवासियों ने जंगल की प्राप्त भूमि के नाले में ही श्रमदान से मिनी स्टापडेम बना कर जल संरक्षण किया। जल संरक्षण से कुआं, बावली रीचार्ज होंगी और वनवासियों को सिचाई के अलावा पीने, खर्च के के साथ मवेशियों के लिए भी पानी उपलब्ध रहेगा। घनश्याम प्रसाद रायकवार ने कहा कि सभी किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ उनकी आय भी बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण काफी जागरूक होते हैं उनको केवल सुझाव और तरीका बताने वाले की जरूरत होती है। गर्मियों के दिनों में सरसैला गांव में पानी की कमी आगई थी। क्योंकि गांव से जो नाला निकला है उस पर स्टापडैम नहीं था और नाले का पूरा पानी बह जाता था। जिसे देखते हुए ग्रामीणों ने मिलकर यहां पत्थर और मिट्टी की मदद से एक देशी पुल बना लिया। जिससे नाले का पानी भी रुक गया और ग्रामीणों को ज्यादा श्रमदान भी नहीं करना पड़ा। श्रमदान करने वालों सीता रानी, भुजबल सिंह, रतन सिंह, विश्वनाथ सिंह, मोहन सिंह, नन्हे वीर, दुर्गा प्रसाद, बालकिशन, अनीता बाई का सहयोग रहा।

कटनी और बुदेलखंड डेवलपमेंट समिति के लोगों ने किया ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण, लोगों को पानी न मिलने से हो रही परेशानी

लोगों को पानी उपलब्ध कराने तालाब में किया श्रमदान

पानी की परेशानी

गांव में चलाए जा रहे श्रमदान कार्यक्रम

तेंदूखेड़ा (नईदुनिया न्यूज)। दमोह मानव जीवन विकास समिति कटनी, भारत रूरल लाइवलीहुड फाउंडेशन दिल्ली व एकता परिषद के सहयोग से पंचायतों में विभिन्न कार्य कराए जा रहे हैं। जिसमें वन अधिकार कानून, मनरेगा खेत तालाब, मेढ़ बंधान, किचिन, गार्डन, आजोला गैर रसायनिक जैविक दवाईयां, जैविक खाद, महिला समूह, कृषि आधारित गैर कृषि आजीविका तैयार करके गांव में पानी की समस्याओ को दूर करने के लिये प्रतिदिन श्रमदान कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मानव जीवन विकास समिति कटनी और एकता परिषद द्वारा गांव बमनोदा में तालाबों का जीर्णोद्वार शुरू किया। जिसमें प्रतिदिन आधा सैकड़ा ग्रामीण और एकता परिषद के सदस्य श्रमदान कर रहे हैं जिससे आगामी समय में गांव में पानी की समस्या हल हो सके। मानव जीवन विकास समिति कटनी के ब्लाक समन्वयक घनश्याम रैकवार ने बताया कि ग्राम बमनोदा में पानी की भीषण समस्या बनी हुई है। जिससे निपटने के लिए एकता परिषद और मानव जीवन विकास समिति द्वारा गांव के लोगों के सहयोग से मजदूर दिवस के दिन से बाला बब्बा के समीप तालाब के जीर्णोद्धार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जिससे आगामी समय में पानी की समस्या से निपटा जा सके।

सागर, गुरुवार 05 दिसंबर, 2019 | 06

विदेशियों ने ग्रामवासियों से जैविक खेती की जानकारी ली

भास्कर संवाददाता। तेंदूखेड़ा

मानव जीवन विकास समिति भारत रूरल लाइवलीहुड फाउंडेशन दिल्ली के सहयोग से तेंदूखेड़ा ब्लॉक में गांव में सर्वे का काम कर रही है। जिसमें लोगों की आजीविका, कृषि आधारित गैर कृषि आधारित काम, वनवासी आदिवासियों 13 दिसंबर 2005 के तहत काबिज लोगों को पट्टे दिलाने की पैरवी, के साथ ही वन भूमि हक प्रमाण पत्र प्राप्त लोगों को भूमि पर रचनात्मक कार्य करने के लिए प्रेरित करना है।

घनश्याम प्रसाद रायकवार ने बताया कि वनवासी द्वारा अहिसात्मक संघर्षों से प्राप्त वन भूमि को देखने के लिए इक्वाडोर से फातिमा पिनांगो, विलमाचांटा, एलसेलवाडोल, जोशुआ इंडोनेशिया, मोलेटेलोमुहाले, दक्षिण अफ्रीका मोहम्मद रहमान, बंगलादेश मेलिसामेलानो, फिलीपींस, यूपी बृजेंद्र, साहिल, मोहसिन भोपाल ने आकर ग्राम सेहरी, फुलर में मोतीसिंह, रामचरण सिंह, देवी सिंह, सविता सहित अन्य लोगों के घर जाकर जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें उबड़-खाबड़ जमीन मिली है। उसको समतलीकरण कर फलदार पौधे लगाने के साथ मेंढ़ बंधान अपने श्रम से किया है। जिससे जल संरक्षण होगा। हम लोग परम्परागत कृषि कार्य कर रहे हैं। और दूसरे किसानों को भी करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

जागरूकता के लिए संवाद • मानव जीवन विकास समिति के द्वारा वनवासी ग्रामों में जीप यात्रा के माध्यम जानी गई लोगों की समस्याएं

ग्रामीणों को नहीं है शासकीय योजनाओं की जानकारी:अंकिता

भास्कर संवाददाता। तेंदूखेड़ा

तेंदूखेड़ा। यात्रा के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं जानी गई।

मानव जीवन विकास समिति के द्वारा जीप यात्रा के समापन के दौरान ग्रामों के लोगों से संवाद कर वन अधिकार अधिनियम 2006 एवं नियम 2007 की जानकारी रैली, मीटिंग, बैठक, पंफलेट संवाद के माध्यम से लोगों दी गई।

लोगों से प्राप्त जानकारी के माध्यम से ग्रामों में वन अधिकार कानून के तहत प्राप्त हक प्रमाण पत्र धारको ने कहा कि पहले हम लोग पलायन करते थे परिवार सहित लेकिन वन भूमि अधिकार पत्र प्राप्त होने के बाद से पलायन में कमी आई है। जैसे पहले 4 सदस्य थे तो बुजुर्ग लोग जो काम एवं मजदूरी करने में आसक्त थे उन्हें घर पर छोड़कर जाते थे लेकिन वर्तमान में एक सदस्य पलायन करता है। आवश्यकता व समयानुसार बुन्देलखंड डेवलपमेंट एलांयस की मैनेजमेंट अंकिता ने कहा कि कृषि आधारित ,स्थाई आजीविका ही लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकता है साथ ही पशुपालन, वन, उपज संकलन से भी वनवासी आदिवासी किसान अपनी आजीविका चलाते हैं। लेकिन शासकीय योजनाओं की जानकारी लोगो को वास्तविक नहीं प्राप्त हो रही है।

वन अधिकार पत्र प्राप्त किसानों को मेड़ बंधान समतलीकरण, खेत तालाब, कूप निर्माण, सिचाई के साधन मोटर पम्प इंजन नहीं दिए गए है। उन्हें लोगो को नियमानुसार दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्राम पंचायत के माध्यम से निर्भय सिंह मानव जीवन विकास समिति कटनो संचालक ने कहा कि कृषि पर आधारित आजीविका करने में लोगो के साथ बढ़ रहे हैं। गांव मै वन अधिकार जीप यात्रा से जो समस्याएं निकलकर आई हैं। उनमें पेय जल और सिंचाई, पलायन, शासकीय योजनाओं की जानकारी का अभाव रोजगार की समस्या वन अधिकार कानून के क्रियान्वयन में लापरवाहियां वन विभाग की तानाशाही शामिल है। घनश्याम प्रसाद रैकवार ने कहा कि लोगो के द्वारा वन भूमि सामुदायिक अधिकार के लिए आवेदन लाए गए हैं। लेकिन लोगों को अधिकार नहीं प्राप्त हुए है। लोगो को जानकारी नहीं है। ग्राम पंचायत कोटखेड़ा, खर्मारियाशिवलाल, बोरिया, सर्रा, भैंसा में नौरादेही वन्य प्राणी अभ्यारण रेंज गेम परिक्षेत्र सागर के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में विस्थापन की समस्या निकलकर आई है। इसे ब्लाक स्तर व जिला स्तर शासन प्रशासन के साथ मीटिंग कर हल करवाने का प्रयास किया जाएगा। लोगो के साथ कुल 30 ग्राम व ग्राम पंचायतों में से होकर जीप यात्रा निकाली गई। जिसमें जन प्रतिनिधियों से संपर्क संवाद कर समस्या का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसमें ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो और ग्रामीणों को लाभ भी मिले ऐसे प्रयास किए गए हैं।

दैनिक भास्कर

व्यक्तिगत सामुदायिक वन भूमि दिलाने के लिए निकाली जाएंगी पद यात्रा

तेदुखेडा। मानव जीवन विकास समिति भारत रुरल लाइवली हुड फाउंडेशन द्वारा वन अधिकार 10 दिवसीय पद यात्रा ग्रामों में 15 से 25 नवंबर तक निकाली जाएगी। ब्लाक समन्वयक घनश्याम प्रसाद रायकवार ने बताया कि भारत सरकार के सहयोग से ब्लॉक के ग्रामों में लोगों की कृषि आधारित गैर कृषि आधारित के साथ अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम, 2006 एवं नियम 2007 संवोधित नियम 2012 के तहत अमान्य किए गए वन भूमि दावा फार्म व्यक्तिगत, सामुदायिक अधिकार के लिए 10 दिवसीय वन अधिकार पद यात्रा ग्रामों में निकालकर लोगों को जागरूक करने के साथ अधिक से अधिक वनवासी लोगों को वन भूमि का अधिकार प्राप्त हो। जिसकी सूचना कलेक्टर को भी दी गई है।

दैनिक भास्कर | 24-Oct-2019 Page 4

मानव जीवन विकास समिति कटनी द्वारा ग्राम रिचकुडी में वन अधिकार कानून के तहत शिविर का आयोजन किया गया

कार्यक्रम •

वन अधिकार कानून की विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया

भास्कर संवाददाता। तेंदूखेड़ा

मांग: वन क्षेत्र में रहने वाले लोगों को मिले अधिकार

---

www.naidunia.com

वन अधिकार अधिनियम जागरूकता पदयात्रा का हुआ शुभारंभ

तेंदूखेड़ा। यात्रा में शामिल ग्रामीण। • नईदुनिया

तेंदूखेड़ा। नईदुनिया न्यूज

वन अधिकार पदयात्रा का हो रहा आयोजन

तेंदूखेड़ा। बैठक में उपस्थित लोग, एप की दी जा रही जानकारी। • नईदुनिया

तेंदूखेड़ा नईदुनिया न्यूज

वनांचल के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों को उनके अधिकार मिल सकें। साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा चलाई जा रही वन मित्र एप की जानकारी मिल सके इसके लिए मानस जीवन विकास समिति द्वारा वन अधिकार पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें लोगों को जागरूक के साथ अधिक से अधिक वनवासियों को वन भूमि का अधिकार प्राप्त दिलाने का प्रयास किया जाएगा। मानव विकास समिति द्वारा आदिवासियों के लिए जो यात्रा निकाली जा रही है उसकी शुरुआत 15 नवंबर से तेंदूखेड़ा से हो रही है। यह यात्रा अलग-अलग दिन अलग-अलग गांव में जाएगी और वन मित्र एप के संबंध में ग्रामीणों को जानकारी देगी। यह पद यात्रा दस दिवसीय रहेगी जिसमें अजीतपुर की दलपतखेड़ा गांव के अलावा देवरी निजाम, बहेरिया, रैयत, खमरियाकला, जामुन, पिड़राई, जैतगढ़, जामुन, स्टापेरी, मझगवां, देवरी शकर, कुदपुरा, सनाखुर्द, हरदुआ, ओरियमाल, सेहरी, मगदुपुरा, डुकरसता, तिपनी, गुबरा, घुटरिया, बगदरी, बमोहरी पांजी, रिझाऊ, समदाई, पटेरिया माल, पटेरिया चक्र के अलावा चिरकोना गांव पहुंचकर ग्रामीणों को इस एप्स के बारे में जानकारी दी जाएगी। मानव विकास समिति के ब्लॉक समन्वयक घनश्याम रैकवार ने बताया कि 15 नवंबर से निकाली जा रही यात्रा के संबंध में आज ही कलेक्टर और जिपं सीईओ को सूचना दी गई है।

2019/11/01

दैनिक भास्कर

कल से निकलेगी वन भूमि अधिकार यात्रा

तेंदूखेड़ा। मानव जीवन विकास समिति भारत रूरल लाइवली हुड फाउंडेशन द्वारा वन अधिकार यात्रा 18 से 27 नवंबर ब्लाक के ग्रामों में निकाली जाएगी।

ब्लाक समन्वयक घनश्याम प्रसाद रायकवार ने बताया कि भारत सरकार के सहयोग से ब्लाक के ग्रामों में लोगों की कृषि पर आधारित गैर कृषि आधारित के साथ अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी को वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम 2006 व नियम 2007 संशोधित नियम 2012 के तहत अमान्य किए गए वन भूमि दावा फॉर्म व्यक्तिगत सामुदायिक अधिकार के लिए 10 दिवसीय वन अधिकार यात्रा ग्रामों में निकालकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। यात्रा का उद्देश्य अधिक से अधिक वनवासी आदिवासी लोगों को वन भूमि का अधिकार प्राप्त हो।

वन अधिकार यात्रा से मिली जानकारी

तेंदूखेड़ा। नईदुनिया न्यूज

मानव जीवन विकास समिति भारत रूरल लाइवलीहुड फाउंडेशन दिल्ली के द्वारा तेंदूखेड़ा ब्लॉक में वन अधिकार जन जागरूकता 18 नवंबर से निकाली जा रही है। घनश्याम प्रसाद रैकवार के द्वारा यात्रा के दौरान लोगों को वन मित्र एप की जानकारी दी जा रही है। जिसमें दावेदार का आधारकार्ड मोबाइल नंबर से लिंक होना चाहिए। दावेदार का फोटो, पहचान पत्र, आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र आदि के बारे में जानकारी दी जा रही है। यात्रा ग्राम धनगौर, बहेरिया रैयत, बहेरियामाल, जामुन, हनुमतबाग, पिंडराई, जैतगढ़, खमरिया शिवलाल ... यात्रा में योगेश सिंह, नंदलाल ..., प्रियंका, नंदनी, जीतेंद्र मिश्रा, ... सिंह, ... भाई आदि के द्वारा जानकारी दी गई।

तेंदूखेड़ा। यात्रा के दौरान मौजूद लोग। • नईदुनिया

वनअधिकार जनजागरुकता यात्रा का चल रहा आयोजन

तेंदूखेड़ा। यात्रा में शामिल लोग। • नईदुनिया

तेंदूखेड़ा। मानव जीवन विकास समिति भारत रुरल लाइवली हुड फाउंडेशन दिल्ली के द्वारा ब्लॉक तेदूखेड़ा में वन अधिकार जन जागरूकता अभियान पद यात्रा का आयोजन 18 नवम्बर से किया जा रहा है।

अंकिता द्वारा यात्रा के दौरान लोगों को मप्र वन मित्र एप की जानकारी दी जा रही है। जैसे दावेदार की पति-पत्नी की दो-दो फोटो, दावेदार का आधार कार्ड मोबाइल नंबर से लिंक होना, दावेदार का फोटो पहचान पत्र, जॉब कार्ड, राशन कार्ड अनुसूचित जनजाति वर्ग के दावेदारो के लिए वन भूमि पर काबिज होने का साक्ष्य 13 दिसंबर 2005 के पूर्व का निवास प्रमाण पत्र आदि के बारे में बताया जा रहा है। घनश्याम प्रसाद रैंवकवार ने परंपरागत खेती करने के तरीके सिखाए जिससे गांव में लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूतए हो। उक्त यात्रा ग्राम धनगोर, बहेरिया रैयत, बहेरियामाल, जामुन, हनुमतबागो, पिंडरई, जैतगढ़, खमरिया शिवलाल, पिंडरई आदि गांव से निकाली जा रही है। यात्रा में मिलन, ध्रुर्व, यादव, पप्पू सिंह, रज्जूसिंह, अरविंद जैन, दशरथ सिंह, भूपतसिंह आदि शामिल हैं।

दैनिक भास्कर | 02-Mar-2020 दमोह Page 4

बम्हौरी पांजी में आज होगी ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई

तेंदूखेड़ा| मानव जीवन विकास समिति कटनी दमोह समुदाय के उत्थान के लिए प्रयासरत है। वर्तमान में भारत रूरल लाइवलीहुड फाउंडेशन के सहयोग से ब्लॉक तेंदूखेड़ा 60 ग्रामों में आजीविका कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। संस्था द्वारा सोमवार को सुबह 11 बजे से 3 बजे तक ग्राम पंचायत बम्होरी पांजी में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजित किया जाएगा। जिसमें कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, आदिम जाति कल्याण विभाग, कृषि, उद्यानिकी, कृषि विज्ञान केंद्र, वेटनरी, आत्मा परियोजना, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन दमोह एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, सीईओ सहित ग्राम पंचायतों सरपंच, सचिव मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में शासन प्रशासन की योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी जाएगी एवं ग्राम पंचायत से समस्या आधारित आवेदनों पर जनसुनवाई विभागों द्वारा की जाएगी। यह जानकारी ब्लॉक कॉर्डिनेटर घनश्याम प्रसाद द्वारा दी गई।

JIO 4G VoLTE 07:00

ग्राम पंचायत बमहोरी में अपनी समस्या सुनाने पहुंचे ग्रामीण

तेंदूखेड़ा (नईदुनिया न्यूज)। मानव जीवन विकास समिति कटनी तेंदूखेड़ा ब्लाक के लगभग आधे गांव में कार्य कर रही है। सैकड़ों लोग इस समिति के माध्यम से लाभांवित होकर आज अपनी जीविका चला रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को ग्राम पंचायत बमोहरी में एक आयोजन किया गया जिसे जनसुनवाई नाम दिया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 300 से ज्यादा दूरदराज के हितग्राहियों ने भाग लिया और अपनी समस्या बताई। जनसुवाई में लगभग एक दर्जन ग्राम पंचायतों के सचिव और सरपंच भी मौजूद रहे जिन्होंने गांव के लोगों के आवेदन पर विशेष रूप से अमल करने की बात कही। जनसुवाई की शुरूआत सचिव निर्भय सिंह द्वारा की गई पूरे आयोजन का संचालन घनश्याम रैकवार ने किया। इस दौरान पूर्व बीडीसी डॉ परम सिंह और बमोहरी सरपंच संतोष यादव की भी मौजूदगी रही।

इन्होंने किया संबोधित : जनसुवाई आयोजन करने के पूर्व मानव जीवन विकास समिति द्वारा ब्लाक के साथ जिले के अधिकारियों को भी आमंत्रित किया था, लेकिन अधिकारी नहीं पहुंचे। जिससे मानव जीवन समिति हितग्राहियों के आवेदन लेकर अधिकारियों से निराकरण की मांग करेगी। इस मौके पर चंद्रगोपाल कुशवाहा ने मौजूद ग्रामीणों को संबोधित भी किया।

तेंदूखेड़ा। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न पंचायतों के ग्रामीण। • नईदुनिया

मंगलवार, 10 मार्च 2020 | जबलपुर | 12

गाय के गोबर से खाद बनाकर बेचें तभी आत्मनिर्भर बनेगी गौशाला

मप्र में पंजीकृत गोशाला होगी आयकर मुक्त

गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार कवायद शुरू हो गई है। ...प्रदेश विधानसभा में प्रस्तुत मप्र गोवंश ...ध प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक-2019 पर विचार किया जा रहा है। इसमें सुझाव आया कि गौशालाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए गोबर और गौमूत्र का व्यवसायिक इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

विधानसभा सदस्य लक्ष्मणसिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगार दूरी करने के लिए गौशालाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना होगा। इसके लिए गौकाष्ठ, गौमूत्र से कीटनाशक, गाय के गोबर से केंचुआ खाद, गोबर गैस प्लांट से कुकिंग गैस का व्यावसायिक गैस के रूप में आपूर्ति करने का सुझाव दिया है। प्रदेश में 350 गौशालाएं खुली हैं। गौ संवर्धन बोर्ड में ऑनलाइन पंजीयन कराने पर प्रदेश की पंजीकृत गौशालाओं को 80जी के तहत आयकर में छूट मिल सकती है। अपर मुख्य सचिव पशुपालन विभाग मनोज श्रीवास्तव ने कहा गौवंश वध और तस्करी रोकने के लिए गौवंश के संरक्षण को जरूरी बताते हुए कहा कि भोपाल के अधिकांश श्मशान घाट में गौकाष्ठ का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रदेश में गौवंश संवर्धन के लिए चरागाहों का विकास, हरे चारे की उपलब्धता बढ़ाने की बात कही।

दैनिक भास्कर | 03-Mar-2020 दमोह Page 4

बम्होरी पांजी में जनसुनवाई कार्यक्रम में दी गई जानकारी

तेंदूखेड़ा| बम्होरी पांजी में सोमवार को सुबह 11 बजे से शाम 3 बजे तक जनसुनवाई की गई। संस्था सचिव निर्भय सिंह के द्वारा शुभारंभ किया साथ ही कार्यक्रम में पहुंचे अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत कर अपने संस्था के कार्य एवं कार्यक्षेत्र की जानकारी दी गई। चंद्रपाल कुशवाहा परियोजना के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में ब्लॉक पीसीओ परम सींग, सरपंच संतोश यादव एवं 12 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव ने भाग लिया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को अधिकारियों द्वारा अपने अपने विभागों से संबंधित योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जनसुनवाई कार्यक्रम में 60 ग्राम पंचायतों से 313 हितग्राहियों ने भाग लिया एवं 197 अलग अलग विभागों से आवेदन प्राप्त हुए। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम रैकवार के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का प्रबंधन नरेश खटीक के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण।

पेड़ की ओखट में झिरिया खोदकर पानी पीते हैं लोग

श्यामसुंदर जैन। तेंदूखेड़ा

ग्राम सहरी से लगभग 3 किमी दूर 122 आदिवासी समाज के लोगों की 30 घरों की बस्ती है। यहां के लोग 12 माह नदी किनारे पेड़ की ओखट में झिरिया खोदकर पानी पीते हैं। ग्रामवासियों की प्यास बुझाने का दूसरा कोई साधन नहीं है। वर्ष 2011 के पहले ग्राम वासी के अलावा एकता परिषद के पदाधिकारी एक हैंडपंप और बच्चों की पढ़ाई के लिए एक सेटेलाइट स्कूल की मांग कर रहे हैं। तत्कालीन जलसंसाधन मंत्री तत्कालिक विधायक सहित सभी अधिकारियों के मामला संज्ञान में भी लिया था, लेकिन 8 सालों में ग्राम के लोगों को पीने के पानी के लिए एक हैंडपंप प्रशासन के अधिकारी नहीं खुदवा सके है। आज ग्राम के लोग झिरिया खोदकर अपनी प्यास बुझाने के मजबूर हैं। ग्राम बच्चे प्राइमरी स्कूल की पढ़ाई के लिए तरस रहे हैं।

गौरतलब है कि प्रशासन के मंत्री और विधायक जनता से वोट मांगने के लिए हर संभव वादे करते हैं। इसके बाद किए गए वादों को पूरा कराने के लिए ग्राम के लोग नेताओं और अधिकारियों को कई आवेदन देकर याद दिलाते हैं। इसके बाद भी ग्राम के लोगों को हो रही सामूहिक समस्याओं का निराकरण नहीं किया जाता है। ऐसे ही एक छोटे से ग्राम के लोग पीने की पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। तेंदूखेड़ा जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत सहरी के ग्राम पराहार का मामला सामने आया है। पराहार ग्राम में लगभग 30 घरों में कुल 122 लोग निवास करते हैं। कुछ साल पहले यहां के निवासियों को शासन ने जमीन के 25 लोगों को पट्टे वितरण किए हैं, लेकिन ग्राम के लोग ग्राम में रहकर नदी के पेड़ ओखट में कुईयां खोद अपनी प्यास बुझाते हैं। ग्राम में दूसरा कोई पीने के पानी का साधन नहीं है।

कलेक्टर से लेकर, विधायक व मंत्री को करा चुके हैं अवगत: इस पूरे मामले को लेकर 27 सितंबर 2012 में एकता परिषद के पदाधिकारियों ने तत्कालिक जिला कलेक्टर शिवानंद दुबे, तत्कालीन जल संसाधन मंत्री जयंत कुमार मलैया, तत्कालीन जबेरा विधायक दशरथ सिंह लोधी, हटा विधायक उमादेवी खटीक के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में वन अधिकार के पट्टे, ग्राम परवहार में सेटेलाइट स्कूल एवं ग्राम में एक हैंडपंप लगवाने की मांग की गई थी। जिसपर मंत्रीजी ने शीघ्र ही तीनों मांगो को पूरा करने का आश्वासन दिया था। जिसमें से ग्रामवासियों को पट्टे तो मिल गए लेकिन आज तक न हैंडपंप खोदा है और न ही बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल बनाया गया है।

पेड़ की ओखट में पानी की झिरिया खोदकर पानी भरते ग्रामीण बच्चे।

कराया जाएगा निराकरण

मैं स्वयं पराहार जाकर जांच कर लेता हूं। वहां पर हैंडपंप सहित जो भी बुनियादी समस्याएं होंगी उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर निराकरण कराया जाएगा।
- **मनीष बागरी,** जनपद सीईओ